चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	18.02.25	4	3-4

अपशिष्ट के समुचित प्रबंधन के लिए जागरूकता जरूरी : प्रो. काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू में 'अपशिष्ट कचरा प्रबंधन के लिए सतत प्रौद्योगिकियां' विषय पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज में आयोजित इस कार्यक्रम में विवि के वीसी प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। उपरोक्त कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने अध्यक्षता की।

वीसी ने कहा कि कृषि अवशेष प्रबंधन एक बहुत बड़ी चुनौती बन गया है। उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में धान की पराली जलाने से समस्या बढ़ती जा रही है। इससे न केवल मिट्टी की गुणवत्ता व सूक्ष्म जीव प्रभावित होते हैं बल्कि वायु प्रदूषण एवं ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन भी होता है। कृषि अवशेष जलाने से पर्यावरण प्रदूषण फैलता है। कृषि अवशेषों का कुशलतापूर्वक और लागत प्रभावी ढंग से उपयोग करके कई मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं। अपशिष्ट के विभिन्न प्रकार होते हैं जिनमें ठोस अपशिष्ट, तरल अपशिष्ट, सुखा अपशिष्ट, बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट तथा नॉन बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट शामिल हैं। प्रशिक्षण में विवि के विभिन्न कॉलेजों के 50 स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने भाग लिया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने सभी का स्वागत किया। ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एडीआर डॉ. आरके गुप्ता व डॉ. अजय जांगड़ा मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	18.02.25	4	7-8

हकृवि ने गांव शाहपुर में लगाया एन.एस.एस. शिविर

हिसार, 17 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा गांव शाहपुर में 7 दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर संपन्न हुआ। शिविर के समापन अवर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्यातिथि रहे। इस शिविर में कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि विद्यार्थियों के साथ।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य युवाओं को सामुदायिक सेवा के माध्यम से व्यक्तित्व विकास का अनुभव कराना है। विंद्यार्थियों को समाज एवं राष्ट्र की प्रगति एवं विकास के प्रति उन्हे जागरूक भी करना है। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य जागरूकता, नशा मुक्ति अभियान, महिला सशक्तिकरण, तथा शिक्षा जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर कार्य किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अरुण कुमार और डॉ. नरेश सिहाग ने किया।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	18.02.25	2	6-8

अपशिष्ट के समुचित प्रबंधन के लिए जागरूकता जरूरी: प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रशिक्षणार्थियों एवं अधिकारियों के साथ।

हिसार, 17 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'अपशिष्ट (कचरा) प्रबंधन के लिए सतत प्रौद्योगिकियां' विषय पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने अध्यक्षता की।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि अवशेष प्रबंधन एक बहुत बड़ी चुनौती बन गया है। उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में धान की पराली जलाने से समस्या बढ़ती जा रही है। इससे न केवल मिट्टी की गुणवत्ता व सूक्ष्म जीव प्रभावित होते हैं बल्कि वायु प्रदूषण एवं ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन भी होता है। कृषि अवशेष जलाने से पर्यावरण प्रदूषण भी फैलता है। कृषि अवशेषों का कुशलतापूर्वक और लागत प्रभावी ढंग से उपयोग करके कई मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार किये जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि अपशिष्ट के विभिन्न प्रकार होते हैं जिनमें ठोस अपशिष्ट, तरल अपशिष्ट, सुखा अपशिष्ट, बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट तथा नॉन बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट शामिल हैं। कुलपति ने कहा कि अपशिष्ट के समुचित प्रबंधन के लिए जागरूकता जरूरी है।

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा निरन्तर अपशिष्ट प्रबंधन बारे किसानों को भी जागरूक किया जा रहा है। प्रशिक्षण में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के 50 स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने भाग लिया। कुलपति ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। इस अवसर पर ओ.एस.डी. डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एडीआर डॉ. आरके गुप्ता व डॉ. अजय जांगड़ा उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	18.02.25	5	6-8

अपशिष्ट के समुचित प्रबंधन के लिए जागरूकता जरूरी : प्रो. काम्बोज

हिसार, 17 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'अपशिष्ट (कचरा) प्रबंधन के लिए सतत प्रौद्योगिकियां' विषय पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने अध्यक्षता की। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि अवशेष प्रबंधन एक बहुत बड़ी चुनौती बन गया है। उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में धान की पराली जलाने से समस्या बढ़ती जा रहीं है। इससे न केवल मिट्टी की गुणवत्ता व सूक्ष्म जीव प्रभावित होते हैं बल्कि वायु प्रदूषण एवं ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन भी होता है। कृषि अवशेष जलाने से पर्यावरण प्रदूषण भी फैलता है। कृषि अवशेषों का कुशलतापूर्वक और लागत प्रभावी ढंग से उपयोग करके कई मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार किये जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि अपशिष्ट के विभिन्न प्रकार होते हैं जिनमें ठोस अपशिष्ट, तरल अपशिष्ट, सुखा अपशिष्ट, बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट तथा नॉन बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट शामिल हैं। कुलपति ने कहा कि अपशिष्ट के समुचित प्रबंधन के लिए जागरूकता जरूरी है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा निरंतर अपशिष्ट प्रबंधन बारे किसानों को भी जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अपशिष्ट को समस्या नहीं बल्कि संसाधन के रूप में देखने की जरूरत है। युवा शोधार्थियों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि स्थायी विकास के लिए नवीन शोध और विचारों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। यह प्रशिक्षण न केवल वैज्ञानिक नवाचार और व्यावहारिक समाधानों के बीच एक पुल का कार्य करेगा, बल्कि भविष्य में पर्यावरण संरक्षण एवं अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगा। प्रशिक्षण में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के 50 स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रशिक्षणार्थियों एवं अधिकारियों के साथ।

कुलपति ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने सभी का स्वागत किया जबकि पाठ्यक्रम निदेशक एवं अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने कचरा प्रबंधन के लिए सतत प्रौद्योगिकियां विषय पर विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. कमला मलिक ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान अपशिष्ट प्रबंधन के रासायनिक गुणों, पर्यावरणीय प्रभावों, कृषि में पुनः उपयोग, जलवायु अनुकूलता एवं स्थायी खेती पर विस्तार से चर्चा की गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. कमला मलिक, डॉ. सुबोध व डॉ. मीना रहे। प्रशिक्षण में डॉ. विजया, डॉ. यादविका, डॉ. सुशील, डॉ. अरविन्द, डॉ. श्वेता, डॉ. सपना सहित अन्य वैज्ञानिकों ने भी अपशिष्ट प्रबंधन बारे अपने व्याख्यान दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	18.02.25	5	1-3

हकृवि ने शाहपुर में लगाया एन.एस.एस. शिविर

मुख्यातिथि विद्यार्थियों के साथ।

हिसार, 17 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा गांव शाहपुर में 7 दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर संपन्न हुआ। शिविर के समापन अवर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्यातिथि रहे। इस शिविर में कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य युवाओं को सामुदायिक सेवा के माध्यम से व्यक्तित्व विकास का अनुभव कराना है। विद्यार्थियों को समाज एवं राष्ट्र की प्रगति एवं विकास के प्रति उन्हे जागरूक भी करना है। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य जागरूकता, नशा मुक्ति अभियान, महिला सशक्तिकरण, तथा शिक्षा जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर कार्य किया गया। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण समुदाय के लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देने के लिए विशेष सत्र आयोजित किए गए। कृषि महाविद्यालय के एनएसएस अधिकारी डॉ. चन्द्रशेखर डागर ने भी स्वयंसेवकों के उत्कृष्ट योगदान की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अरुण कुमार और डॉ. नरेश सिहाग ने किया। इस सफल आयोजन में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी, शिक्षकगण, स्वयंसेवक और स्थानीय नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	18.02.25	11	2-6

एचएयू में 'अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सतत प्रौद्योगिकियां' पर प्रशिक्षण संपन्न

अपशिष्ट के समुचित प्रबंधन के लिए जागरूकता जरूरी : प्रो. काम्बोज

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हिसार। प्रशिक्षणार्थियों एवं अधिकारियों के साथ कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा है कि कृषि अवशेष प्रबंधन एक बहुत बड़ी चुनौती बन गया है। उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में धान की पराली जलाने से समस्या बढ़ती जा रही है। इससे न केवल मिट्टी की गुणवत्ता व सूक्ष्म जीव प्रभावित होते हैं बल्कि वायु प्रदूषण एवं ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन भी होता है। कुलपति प्रो. काम्बोज सोमवार को विश्वविद्यालय में 'अपशिष्ट (कचरा) प्रबंधन के लिए सतत प्रौद्योगिकियां' विषय पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण के समापन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित किया गया। कुलपति ने कहा कि कृषि अवशेष जलाने से पर्यावरण प्रदूषण भी फैलता है। कृषि अवशेषों का कुशलतापूर्वक और लागत प्रभावी ढंग से उपयोग करके कई मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार किये जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि अपशिष्ट के विभिन्न प्रकार होते हैं जिनमें ठोस अपशिष्ट, तरल अपशिष्ट, सुखा अपशिष्ट, बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट तथा नॉन बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट शामिल हैं। कुलपति ने कहा कि अपशिष्ट के समुचित प्रबंधन के लिए जागरूकता जरूरी है। प्रशिक्षण में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के 50 स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने भाग लिया। कुलपति ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने सभी का स्वागत किया जबकि पाठ्यक्रम निदेशक एवं अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने कचरा प्रबंधन के लिए सतत प्रौद्योगिकियां विषय पर विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. कमला मलिक, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एडीआर डॉ. आरके गुप्ता डॉ. कमला मलिक, डॉ. सुबोध, डॉ. मीना उपस्थित रहे।

हिसार। मुख्य अतिथि विद्यार्थियों के साथ। फोटो : हरिभूमि

हकृवि ने गांव शाहपुर में लगाया एनएसएस शिविर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से गांव शाहपुर में 7 दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर संपन्न हुआ। शिविर के समापन अवर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्यातिथि रहे। इस शिविर में कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य युवाओं को सामुदायिक सेवा के माध्यम से व्यक्तित्व विकास का अनुभव कराना है। विद्यार्थियों को समाज एवं राष्ट्र की प्रगति एवं विकास के प्रति उन्हें जागरूक भी करना है। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य जागरूकता, नशा मुक्ति अभियान, महिला सशक्तिकरण, तथा शिक्षा जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर कार्य किया गया। कृषि महाविद्यालय के एनएसएस अधिकारी डॉ. चन्द्रशेखर डागर ने भी स्वयंसेवकों के उत्कृष्ट योगदान की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अरुण कुमार और डॉ. नरेश सिहाग ने किया। इस सफल आयोजन में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी, शिक्षकगण, स्वयंसेवक और स्थानीय नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	18.02.25		

अपशिष्ट के समुचित प्रबंधन के लिए जागरुकता जरुरी : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'अपशिष्ट (कचरा) प्रबंधन के लिए सतत प्रौद्योगिकियां' विषय पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने अध्यक्षता की।

एचएयू में 'अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सतत प्रौद्योगिकियां' विषय पर प्रशिक्षण संपन्न

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि अवशेष प्रबंधन एक बहुत बड़ी चुनौती बन गया है। उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में धान की पराली जलाने से समस्या बढ़ती जा रही है। इससे न केवल मिट्टी की गुणवत्ता व सूक्ष्म जीव प्रभावित होते हैं बल्कि वायु प्रदूषण एवं ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन भी होता है। कृषि अवशेष जलाने से पर्यावरण प्रदूषण भी फैलता है। कृषि अवशेषों का कुशलतापूर्वक और लागत प्रभावी ढंग से उपयोग करके कई मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार किये जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि अपशिष्ट के विभिन्न प्रकार होते हैं जिनमें ठोस अपशिष्ट, तरल अपशिष्ट, सुखा अपशिष्ट, बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट तथा नॉन बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट शामिल हैं। कुलपति ने कहा कि अपशिष्ट के समुचित प्रबंधन के लिए जागरूकता जरूरी है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा निरंतर अपशिष्ट प्रबंधन बारे किसानों को भी जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अपशिष्ट को समस्या नहीं बल्कि संसाधन के रूप में देखने की जरूरत है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	18.02.25		

हकृवि ने गांव शाहपुर में लगाया एनएसएस शिविर

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा गांव शाहपुर में 7 दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर संपन्न हुआ। शिविर के समापन अवर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्यातिथि

रहे। इस शिविर में कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य युवाओं को सामुदायिक सेवा के माध्यम से व्यक्तित्व विकास का अनुभव कराना है। विद्यार्थियों को समाज एवं राष्ट्र की प्रगति एवं विकास के प्रति उन्हे जागरूक भी करना है। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य जागरूकता, नशा मुक्ति अभियान, महिला सशक्तिकरण, तथा शिक्षा जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर कार्य किया गया। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण समुदाय के लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देने के लिए विशेष सत्र आयोजित किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	17.02.25		

एचएयू में 'अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सतत प्रौद्योगिकियां' विषय पर प्रशिक्षण संपन्न

अपशिष्ट के समुचित प्रबंधन के लिए जागरूकता जरूरी : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'अपशिष्ट (कचरा) प्रबंधन के लिए सतत प्रौद्योगिकियां' विषय पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने अध्यक्षता की।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि अवशेष प्रबंधन एक बहुत बड़ी चुनौती बन गया है। उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में धान की पराली जलाने से समस्या बढ़ती जा रही है। इससे न केवल मिट्टी की गुणवत्ता व सूक्ष्म जीव प्रभावित होते है बल्कि वायु प्रदूषण एवं ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन भी होता है। कृषि अवशेष जलाने से पर्यावरण प्रदूषण भी फैलता है। कृषि अवशेषों का कुशलतापूर्वक और लागत प्रभावी ढंग से उपयोग करके कई मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार किये जा सकते है। उन्होंने बताया कि अपशिष्ट के विभिन्न प्रकार होते है जिनमें ठोस अपशिष्ट, तरल अपशिष्ट, सूखा अपशिष्ट, बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट तथा नॉन बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट शामिल है। कुलपति ने कहा कि अपशिष्ट के समुचित प्रबंधन के लिए जागरूकता जरूरी है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा निरंतर अपशिष्ट प्रबंधन बारे किसानों को भी जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अपशिष्ट को समस्या नहीं बल्कि संसाधन के रूप में देखने की जरूरत है। युवा शोधार्थियों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि स्थायी विकास के लिए नवीन शोध और विचारों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। यह प्रशिक्षण न केवल वैज्ञानिक नवाचार और व्यावहारिक समाधानों के बीच एक पुल का कार्य करेगा, बल्कि भविष्य में पर्यावरण संरक्षण एवं अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगा। प्रशिक्षण में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के 50 स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने भाग लिया। कुलपति ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने सभी का स्वागत किया जबकि पाठ्यक्रम निदेशक एवं अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने कचरा प्रबंधन के लिए सतत प्रौद्योगिकियां विषय पर विस्तृत जानकारी दी।

प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. कमला मलिक ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान अपशिष्ट प्रबंधन के रासायनिक गुणों, पर्यावरणीय प्रभावों, कृषि में पुनः उपयोग, जलवायु अनुकूलता एवं स्थायी खेती पर विस्तार से चर्चा की गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. कमला मलिक, डॉ. सुबोध व डॉ. मीना रहे। प्रशिक्षण में डॉ. विजया, डॉ. पारुलिका, डॉ. सुशील, डॉ. अनिल, डॉ. राकेश, डॉ. सपना सहित अन्य वैज्ञानिकों ने भी अपशिष्ट प्रबंधन बारे अपने व्याख्यान दिए। छात्रा ईश लाम्बा ने मंच का संचालन किया।

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एडीआर डॉ. अलोक गुप्ता व डॉ. अजय जांगड़ा उपस्थित रहे।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	17.02.25		

हकृवि ने गांव शाहपुर में लगाया एनएसएस शिविर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा गांव शाहपुर में 7 दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)शिविर संपन्न हुआ। शिविर के समापन अवर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्यातिथि रहे। इस शिविर में कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य युवाओं को सामुदायिक सेवा के माध्यम से व्यक्तित्व विकास का अनुभव कराना है। विद्यार्थियों को समाज एवं राष्ट्र की प्रगति एवं विकास के प्रति उन्हे जागरूक भी करना है। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य जागरूकता, नशा मुक्ति अभियान, महिला सशक्तिकरण, तथा शिक्षा जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर कार्य किया गया। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण समुदाय के लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देने के लिए विशेष सत्र आयोजित किए गए। कृषि महाविद्यालय के एनएसएस अधिकारी डॉ. चन्द्रशेखर डागर ने भी स्वयंसेवकों के उत्कृष्ट योगदान की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अरुण कुमार और डॉ. नरेश सिहाग ने किया। इस सफल आयोजन में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी, शिक्षकगण, स्वयंसेवक और स्थानीय नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Savera Times	18.02.25		

Sustainable waste management training concludes at CCSHAU

@ The Savera Times Network

Vice Chancellor Prof. B.R. Kamboj with trainees and officials

Hisar : A 10-day training program on 'Sustainable Technologies for Waste Management' concluded at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU). The program, organized by the Directorate of Student Welfare at the College of Basic Sciences and Humanities, was graced by Prof. B.R. Kamboj, Vice Chancellor, as the chief guest. Dr. Rajesh Gera, Dean of the college, presided over the event.

In his address, Prof. Kamboj highlighted the growing challenge of agricultural residue management, especially in North India, where burning paddy stubble leads to soil degradation, air pollution, and greenhouse gas emissions. He emphasized the importance of viewing waste as a resource, not a problem. He encouraged young researchers to explore new ideas for sustainable development, and expressed confidence that the training would bridge scientific innovation and practical solutions, contributing significantly to environmental protection.

The program, attended by 50 undergraduate and postgraduate students, covered topics like chemical properties of waste, environmental impacts, reuse in agriculture, and sustainable farming. Lectures were delivered by various experts, including Dr. Kamla Malik, Dr. Subodh, Dr. Meena, and others. Dr. Madan Khichad welcomed participants, while Ira Lamba conducted the stage. Certificates were awarded to the trainees by the Vice Chancellor, marking the successful conclusion of the event.